**जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर**
**सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग**

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 157
दिनांक 17.12.2021

# देश में अगली हरित क्रान्ति मध्यप्रदेश से आयेगी

## इन्टरफेस में जनेकृविवि और एपीड़ा के मध्य महत्वपूर्ण अनुबंध हस्ताक्षरित

**जबलपुर 17 दिसम्बर।** जनेकृविवि में मध्यप्रदेश के कृषि जिन्सों और प्रसंस्करण खाद्य उत्पादों की निर्यात क्षमता पर आयोजित एक दिनी इन्टरफेस कार्यशाला में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीड़ा) वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय नई दिल्ली एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के मध्य एक समझौता हस्ताक्षरित हुआ। कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन एवं एपीड़ा के महाप्रबंधक श्री विनोद कुमार विद्यार्थी ने अनुबंध (एम.ओ.यू.) की प्रतियों का आदान–प्रदान किया। ये दोनों संस्थान मिलकर मध्यप्रदेश के कृषि उत्पादों को विदेशों में निर्यात करने हेतु उच्चस्तरीय कार्ययोजना तैयार करेंगे।

इस मौके पर विषय वस्तु विशेषज्ञों ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश में अगली हरित क्रान्ति मध्यप्रदेश से आयेगी। मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। जिसके उत्पाद विदेशी बाजार में सफलतापूर्वक बिक रहे हैं। किसान के उत्पाद का सही मूल्यांकन एवं विश्व ब्राडिंग की सघन जरूरत है। प्रदेश जैव विविधता एवं आदिवासी क्षेत्रों में उगाये जा रहे मोटे अनाज फसलों से भरा पड़ा है। इनके संवर्धन और प्रसंस्करण की महती आवश्यकता है। इस दौरान अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, डॉ. आर.के. नेमा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, आईएबीएम के संचालक डॉ. एस.बी. नाहतकर सहित प्रदेश के 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुख, विभागाध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक, कृषक एवं शोधरत् छात्रगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण आयुर्वैदिक औषधीय घटक गुग्गल के 1 लाख पौधे लगाने वाले प्रगतिशील किसान एहसान अली खान एवं जाकिर अली मुरैना को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। कार्यशाला में प्रदर्शित बैगा आदिवासी क्षेत्र की बैगनी अरहर और नरसिंहपुर बरमान के 4 किलो वजनी बैगन की विशेष चर्चा रही। इसके साथ ही प्रदेश के 570 ग्राम का सुंदरजा आम, नागदामन कुटकी, सीतली कुटकी, ब्राउन भूट्टा, कोदो, विविध धान किस्में सहित अनेक चर्चित जिन्सों का भी प्रदर्शन किया गया। पूर्व में अतिथियों ने विवि के पेस्टीसाइट, रेस्युडल प्रयोगशाला, जवाहर जैव उरर्वक केन्द्र, औषधयी संगध पौध उद्यान, बीज प्रौद्योगिकी केन्द्र सहित विभिन्न अनुसंधान प्रक्षेत्रों का भ्रमण एवं अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनी थामस एवं आभार प्रदर्शन डॉ. शेखरसिह बघेल ने व्यक्त किया।

—000—